Shrimati Tarkeshwari Sinha: May I know what was the basis of the statement made by Dr. Babha, who accompanied the Prime Minister in this Bhakra Nangal tour, to the newspapermen that exploratory talks are in progress with the U.S. Atomic Energy Commission?

Shri Jawaharlal Nehru: About what?

Shrimati Tarkeshwari Sinha: About this heavy water plant.

Shri Jawaharlal Nehru: We have bought and are buying, heavy water from the United States. There are other matters in connection with atomic energy which we have discussed with them here and in America.

इस्पात में हित रखने वालों का सम्मेलन

*१९०६. **श्री भागवत झा आजाद :** क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या २१ मार्च, १९५५ को नई दिल्ली में इस्पात उत्पादन में हित रखने वालों का कोई सम्मेलन हुआ था ;

(ख) यदि हां, तो उसमें किन किन प्रतिनिधियों ने भाग लिया था और वे कहां कहां से आये थे ; और

(ग) उस सम्मेलन में क्या निश्चय हुए ?

योजना उपमंत्री (श्री एस० एन० मिश्र): (क) जी, हां ।

(ख) जिन प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया उनके नामों की सूची लोक सभा पटल पर रख दी गई है [**दसवें परिशिष्ट ८, अनुबन्ध संख्या ६६**] .

(ग) सम्मेलन इस उद्देश्य से बुलाया गया था कि मौजूदा और भविष्य के मुख्य उत्पादकों के विचारों को, इस्पात उद्योग के विस्तार के लिये प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार जो अन्तिम उत्पादन होंगे उनके सम्बन्ध में जाना जाय । इस सम्मेलन में सम्बंधित विषयों की छानबीन के लिये विचार-विनिमय हुए और अभी तक उन पर अन्तिम निर्णय नहीं हुए हैं ।

श्री भागवत झा आजाद : क्या मैं जान सकता हूं कि इस सम्मेलन में विदेशों से इस्पात के कारखाने खोलने के जो प्रस्ताव आ रहे हैं उन पर भी विचार किया गया था ?

श्री एस० एन० मिश्र : किस क्षेत्र के बारे में माननीय सदस्य जानना चाहते हैं ? क्या व्यक्तिगत पूंजी के क्षेत्र में या अन्य क्षेत्र में ? कुछ प्रस्ताव तो पहले ही से आते हैं । उस सम्मेलन में इस की भी कुछ चर्चा हुई थी और होनी मुनासिब भी थी ।

श्री भागवत झा आजाद : क्या इस्पात उद्योग के प्रतिनिधियों ने सरकार के सामने कोई ऐसी भी योजना रखी है कि जिस के अन्तर्गत निकट भविष्य में इस्पात के उत्पादन में वृद्धि की सम्भावना हो ?

श्री एस० एन० मिश्र : जी हां, इस बात पर सरकार पहले ही गौर कर चुकी थी और योजना आयोग के सामने जो विषय था वह इसी से ताल्लुक रखता था । लेकिन इस के बारे में इस सम्मेलन में कुछ करना नहीं था । इस पर सरकारी निर्णय हो गया है कि कितनी वृद्धि हो ।

श्री भागवत झा आजाद : क्या इस सदन को यह मालूम हो सकता है कि इस सम्मेलन ने किन किन प्रश्नों पर विचार किया और उन की मुख्य मुख्य सिफारिशें क्या हैं ?

श्री एस० एन० मिश्र : जैसा मैं ने जवाब में बतलाया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य यह था कि मौजूदा और भविष्य के उत्पादकों के बीच में जो हमारा कार्यक्रम है और उसके अनुसार जो अन्तिम उत्पादन होने वाले हैं उन का किस प्रकार से बटवारा हो । और, इस सम्बन्ध के विषयों की छान बीन हुई । उस सम्मेलन का उद्देश्य केवल "एक्सप्लोरेटरी टाक्स" ही था और अब हम उस पर कुछ रूपों में निर्णय करने वाले हैं ।